JANSATTA, Delhi, 12.2.2018
Page No. 1, Size:(11.31)cms X (7.50)cms.

आधार से खजाने के 56 हजार करोड़ बचाए : मोदी

दुबई, 11 फरवरी (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार ने करीब 400 सरकारी योजनाओं के तहत आधार से जुड़े प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के जरिए 56 हजार करोड़ रुपए की बचत की है।

मोदी ने अर्थव्यवस्था की वृद्धि में प्रौद्योगिकी की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने कहा कि भारत में एक समान कर प्रणाली यानी वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) सिर्फ आधार की वजह से संभव हो पाई है। वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट में मुख्य वक्ता के तौर पर अपने भाषण में मोदी ने कहा कि सरकार के ई-मार्केट कार्यक्रम जीईएम के जरिए काफी कम समय में 4,500 करोड़ रुपए के लेन-देन हुए हैं। उन्होंने कहा कि जीईएम के जरिये छोटे से छोटे व्यापारी भी अपना सामान बेच सकते हैं। मोदी ने कहा कि भारत अभी डिजीटल भुगतान के क्षेत्र में क्रांति से गुजर रहा है और तेजी से कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था में तब्दील हो रहा है।

स्टार्टअप इंडिया मिशन के बारे में उन्होंने कहा कि भारत इस कार्यक्रम के जरिए नवाचार की पारिस्थितिकी तैयार कर रहा है। देश पिछले दो साल में प्रमुख स्टार्टअप देश बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत की कुल आबादी में 65 फीसद से अधिक 35 साल से कम उम्र के युवा हैं। उन्होंने युवाओं को नवाचार के लिए प्रोत्साहित किए जाने पर जोर देते हुए **बाकी पेज 8 पर**

आधार से खजाने के 56 हजार करोड़ बचाए : मोदी

पेज 1 का बाकी

नया भारत बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय तालमेल की पहल की। मोदी ने कहा कि प्रौद्योगिकी विचारों जैसी तेजी से बदल रही है और इसने उनके 'न्यूनतम सरकार, अधिकतम प्रशासन' के विचार को बढ़ावा दिया है जिससे आज आम लोगों की जिंदगी बदल गई है। उन्होंने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के सरकार के लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका के बारे में भूमि स्वास्थ्य कार्ड योजना और कृषि मंडी का उदाहरण दिया।

प्रधानमंत्री ने दुबई में 'वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि सभी तरह के विकास के बावजूद अभी तक गरीबी और कुपोषण समाप्त नहीं हो सका है। वहीं दूसरी ओर हम मिसाइल और बम के निर्माण में धन, समय और संसाधन का बड़ा हिस्सा लगा रहे हैं। हमें तकनीक का उपयोग विनाश के लिए नहीं बल्कि विकास के साधन के रूप में करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के अपने समकक्ष एदुआर्द फिलिप से भी मुलाकात की जिसमें उनके बीच द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को मजबूती देने पर बातचीत हुई। इससे पहले उनकी किर्गिजस्तान के प्रधानमंत्री सपार इसाकोव से भी मुलाकात हुई। प्रधानमंत्री की यूएई के उप-राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन रशीद अल-मकतूम के साथ भी बातचीत हुई। दुबई के दौरे के बाद प्रधानमंत्री रविवार शाम पश्चिम एशिया के तीन देशों की अपनी यात्रा के आखिरी हिस्से में ओमान की दो दिवसीय यात्रा पर मस्कट पहुंचे। यहां वे ओमान के सुल्तान और अन्य प्रमुख नेताओं से बातचीत करेंगे।